and achieve the Plan target, special incentives which I enumerated earlier, such as the concession on oils, agricultural implements, etc. should be given. Farmer is our backbone and this Budget is not earnest in giving him concessions but gives concessions to city-dwellers and trading communities.

I congratulate with my heartiest emotions the Finance Minister on the strict measures that he is taking to reduce tax evasion. In papers we read that there are raids on the houses of some capitalists or big industrialists and the police recovered gold bars worth Rs. 14 lakhs and currency of Rs. 6 lakhs and so on. The hon. Minister should give us a quarterly or half-yerly statement of such raids and the money found and what action has been taken against this type of persons who possess such unaccountable wealth.

17 hrs.

**श्री विश्वनाथ पाण्डेय** (सलेमपुर) : अध्यक्ष महोदय, सामान्य बजट के ऊपर कल से चर्चा चल रही है । माननीय सदस्यों ने अपने अपने दृष्टिकोणों से इस पर अपने विचार प्रकट किये हैं । मैं समझता हूं कि वित्त मंत्री महोदय ने इस बजट को बहुत कुशलता, योग्यता तथा निपुणता के साथ इस सदन के सामने प्रस्तुत किया है । कुछ माननीय सदस्यों को इस बजट में समाजवाद का कहीं समावेश हुआ हो ऐसा दिखाई नहीं दिया है । कुछ माननीय सदस्यों ने कहा है कि यह पूंजीवादी बजट है । कुछ माननीय सदस्यों ने इस को समाजवादी बजट कहा है : मैं इन दोनों झगड़ों में नहीं पड़ना चाहता । मैं तो ऐसा समझता हूं कि वित्त मंत्री महोदय ने पूंजीवाद और समाजवाद के बीच का, यानी मध्यम मार्ग का अनुसरण किया है । वे इस बात को महसूस करते हैं कि राष्ट्र के निर्माण के काम को जब मध्यम मार्ग ले कर चलायेंगे तभी वह हो सकता है । इस लिये उन्होंने इस मार्ग का अनुसरण किया है । वास्तव में यह जो बजट आप के सामने प्रस्तुत किया गया है उस के लिये माननीय वित्त मंत्री महोदय ने कहा कि वह प्रतिरक्षा और विकास के लिये है । अभी देश के ऊपर संकट है । भारत की सीमा के ऊपर चीन का हमला हुआ है । आप की स्थल सीमा ६ हजार मील से अधिक होती है, सामुदायिक सीमा ३ हजार मील से अधिक होती है और आवश्यक है कि हिन्दुस्तान के प्रतिरक्षा के काम को आज सबल और पुष्ट बनाया जाये ।

**अध्यक्ष महोदय** : अब माननीय सदस्य कल जारी करेंगे ।

---

17:01 hrs.

RE: AIR CRASH NEAR CALCUTTA

**Shri Tygai** (Dehradun): Sir, there is a sensational news that there was another air crash. I would like you to ask the Defence Minister to make a statement.

**Shri Hari Vishnu Kamath** (Hoshangabad): We have heard outside of some crash.

**Mr. Speaker**: Order, order. Shri Swaran Singh may make his statement about sugarcane.

---

17.01½ hrs.

STATEMENT *RE*: SUGARCANE PRICE

**The Minister of Food and Agriculture (Shri Swaran Singh)**: As the House is aware, Government have had under consideration the question of fixation of minimum price of cane for the crushing season 1964-65 under the Sugarcane Control Order, 1955, issued under the Essential Commodities Act. After a consideration of the relevant factors and taking into account the trend of recoveries during the current year, Government have decided that the basic minimum price at the factory gate at the recovery point of

[Shri Swaran Singh]

9·4% and below should be Rs. 4·96 nP per quintal as compared to the present price at that level of Rs. 4·69 nP to Rs. 4·85 nP per quintal. There would be a premium as before of 4 nP per quintal of sugarcane for every additional 0·1% of recovery. The necessary notification prescribing the minimum price payable by each factory would be issued on this basis in due course after the final position about recoveries of the current year is known. I should also like to add that as against the system of reduction for road transport of cane which was prevalent upto 1962-63, *viz.* from 32 nP to 96 nP per quintal from the factory gate price, depending on the distance the permissible reduction would continue to be only 32 nP per quintal as in the current year and the balance of the expenses upto a maximum of 64 nP per quintal would be taken to manufacturing cost of sugar. This would bring the system regarding road transport in line with that for rail transport.

---

**17:04 hrs.**

## BUSINESS ADVISORY COMMITTEE

### TWENTY-FIFTH REPORT

**Shri Rane** (Buldana): I beg to present the Twenty-fifth Report of the Business Advisory Committee.

**Shri Bhagwat Jha Azad** (Bhagalpur): Sir, since the Question Hour this morning, I am very much emotionally upset for the remarks I made. Therefore, I express my regret for what I have said.

**Mr. Speaker:** I am thankful for the hon. Member; he had said it perhaps in a youthful mood.

**17.05 hrs.**

## *PROFITEERING IN GUR

**श्री प्रकाश वीर शास्त्री** (बिजनौर) : अध्यक्ष महोदय, चीनी आक्रमण के बाद हमारे देश में बाजारों पर सन्तुलन रखने के लिये और आर्थिक व्यवस्था बनाये रखने के लिये भारतीय सुरक्षा अधिनियम की व्यवस्था की गई थी जिस के अनुसार यह निश्चित किया गया था कि बाजारों में अधिक मुनाफाखोरी कोई न करे इस के लिये आवश्यक देख रेख रक्खी जाये। इस के साथ साथ अभी कुछ दिन पहले हमारे गृह-मंत्री श्री नन्दा ने भ्रष्टाचार के विरुद्ध एक अभियान बड़ी दृढ़ता से इस देश में चलाया और उन्होंने साहस के साथ यह घोषणा की थी कि दो वर्ष में देश से भ्रष्टाचार समाप्त कर दिया जायेगा।

जिस चर्चा को मैं आज उपस्थित करने लगा हूं उसे उपस्थित करने का बहुत बड़ा कारण यह है कि अभी भ्रष्टाचार विरोधी अभियान रूपी शिशु अपनी माता के पेट में पूरी तरह से हाथ पैर भी नहीं बनते पाये थे कि इस प्रकरण द्वारा उस की भ्रूण हत्या होती नजर आ रही है। मैं इस चर्चा को उठाने से पहले विशेष रूप से यह बात कहना चाहता हूं कि देखा यह जा रहा है कि कानून के शिकंजे में छोटी छोटी मछलिया तो फंस रही हैं लेकिन बड़े बड़े मगर मच्छ उस से निकल रहे हैं, इस सेन्ट्रल कोआपरेटिव स्टोर ने गुड़ के ऊपर जो मुनाफाखोरी की, जिस की चर्चा संसद के पिछले अधिवेशन में और अब लगातार तीन, चार दिनों से चल रही है, उस में मुख्य दोषी कौन है, केवल इसी के सम्बन्ध में मैं चर्चा करना चाहता हूं। जिन के केस न्यायालय के अन्दर हैं उन से सम्बन्धित मैं कोई चर्चा नहीं करना चाहता।

---

*Half-An-Hour Discussion.